तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 21.7 डिग्री

हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

11 लाहली में 16 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

12 इंडस स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

Farm House
44 फुट चौड़ी सड़के, सीवर व पानी लाइन, बिजली
अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर क्लिक करें : http://www.guptaproperty.in/
Kothi, Villa के लिये 300 गज के प्लाट
मात्र 20 लाख में
NOC ZONE
पक्की रजिस्ट्री
M. 8950904219
Gupta Property हिसार रोड NH 9 पर

फॉलो करने पर पाये EXTRA 5% OFF ON MAKING OF EVERY GOLD JEWELLERY
@PPJEWELLERSROHTAK
ppjewellersrohtak
P.P. Jewellers Rohtak
P.P. Jewellers Rohtak
केवल 5% बनवाई सोने के सभी आभूषण पर
सभी 22K HUID हॉलमार्क आभूषण उपलब्ध हैं।
P.P. Jewellers
रोहतक
का सबसे बेहतरीन आभूषण स्टोर
RAILWAY ROAD ROHTAK, CALL :- 70828-66177
केवल 0% बनवाई हीरे के सभी आभूषण पर
कोई पॉलिश नहीं | कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं
35% की छूट हीरे की कीमत पर
SPIN
सुनिश्चित उपहार जीतें।
हीरे के आभूषणों की हर न्यूनतम खरीद पर।
T&C APPLY
SUNDAY OPEN

### जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने किया जून 2023 में शिलान्यास

# 24 करोड़ से डाले जा रहे पाइप, 8 कॉलोनियों में नहीं होगा जल भराव

- गुरुनानकपुरा में बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाया जा रहा है वाटर डिस्पोजल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुनानकपुरा में स्थित राहड़ जोहड़ पर बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए जा रहे डिस्पोजल के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है। इसके साथ ही गुरूनानकपुरा डिस्पोजल से जसिया ड्रेन तक 900 व्यास की एचडीपीई पाइप लाइन बिछाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। भारी ट्रैफिक के बावजूद कंपनी सड़क की खुदाई करवा कर पाइप लाइन बिछा रही है। साथ ही गोहाना रोड पर स्थित शनि मंदिर से पीर बौदी बरसाती डिस्पोजल तक 900 व्यास की आरसीसी एनपी-2 पाइप का सीआईपीपी तकनीक से बिछाई जा रही है। विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा इन कार्यों को जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 45 करोड़ 27 लाख का खर्च आएगा। जबकि पाइप बिछाने पर करीब 24 करोड़ का खर्च आएगा। इस कार्य को जून तक पूरा करने का प्रयास है। करीब पौने दो करोड़ रुपये सड़क तोड़ने के लिए पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग को भी दिए गए हैं। पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा होने से बड़े एरिया को जलभराव से मुक्ति मिल जाएगी।

रोहतक। पाइप लाइन बिछाने के लिए तोड़ी जा रही सड़क एवं सड़क पर रखी हुई पाइप। फोटो : हरिभूमि

### इन कॉलोनियों के लोगों को मिलेगा लाभ

इन कार्यों के पूरा होने से सैनी स्कूल रोड, महावीर कॉलोनी, संजय कॉलोनी, नया चमनपुरा,कृष्णा कॉलोनी, साईंदास कॉलोनी, राहड़ रोड, गुरूनानक पुरा तथा काठमंडी के लोगों को फायदा मिलेगा। बरसात के दिनों यहां अक्सर जलभराव हो जाता था जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब जल भराव नहीं होने से लोगों को राहत मिलेगी।

### कई साल से लंबित थी मांग

राहड़ तालाब के आसपास करीब आधा दर्जन कॉलोनियों में रहने वाले हजारों नागरिक कई साल से जल भराव की समस्या से पीड़ित थे। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और जन स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष लोगों की इस मांग को रखा गया। जिसे सरकार ने स्वीकृत कर लिया था। सरकार ने राहड़ तालाब में करोड़ों के प्रोजेक्ट को मंजूर करके इस पूरे इलाके को बड़ी सौगात दी है। मंत्री डॉ बनवारी लाल ने इस योजना का शुभारम्भ जून 2023 में किया था।

### जलभराव से मुक्ति मिलेगी

जून में इस प्रोजेक्ट का शुभारम्भ किया गया था। गुरुनानकपुरा में राहड़ जोहड़ पर बरसाती पानी की निकासी के लिए डिस्पोजल का निर्माण किया जा रहा है। डिस्पोजल से जसिया ड्रेन तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। योजना पूरी होने से हजारों लोगों को जलभराव से मुक्ति मिलेगी। काम को जल्द से जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। -आरके शर्मा, एसई, जन स्वास्थ्य विभाग

## खिड़वाली के पास कार और बाइक की टक्कर में युवक घायल

रोहतक। गांव खिड़वाली के पास कार व बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर लगने से बाइक सवार युवक घायल हो गया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को पीजीआई में भर्ती करवाया। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में सोनीपत निवासी कृष्ण ने बताया कि 18 अप्रैल की शाम को रोहतक से गांव कथूरा की तरफ जा रहा था तो गांव खिड़वाली शराब के ठेका की तरफ से एक अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद आस-पास के राहगीरों ने पीजीआई में भर्ती करवाया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।

# सेक्टर प्राइड के सामने मोड़ पर सीवर धंसा, हादसे का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-1 में दूसरी पुलिया के रास्ते पर सेक्टर प्राइड वाले मोड़ पर सीवर धंस गया है। सड़क में करीब 2 फुट लंबा गड्ढा बन गया है। इस गड्ढे की गहराई भी ज्यादा है। अति व्यस्त रास्ता होने के कारण यहां वाहन चालकों के साथ हादसा हो सकता है। दोपहर के समय लोगों ने गड्ढा देखा तो इसकी शिकायत पार्षद से की। पार्षद कदम सिंह अहलावत ने एचएसवीपी के एक्सईएन और नगर निगम के अधिकारियों को गड्ढे संबंधित शिकायत की और फोटो भी भेजे। देर शाम तक गड्ढा ठीक नहीं हो पाया था। कदम सिंह अहलावत का कहना है कि जिस जगह गड्ढा बना है वहां या तो बरसाती नाला है या सीवर है। राजेंद्र मलिक ने बताया कि शनिवार को अचानक सड़क में गड्ढा बन गया जो यहां से गुजरने वालों के लिए खतरे से खाली नहीं है। एचएसवीपी और नगर निगम के अधिकारियों से मांग है कि जल्द ही इस गड्ढे को ठीक करवाया जाए।

# ताला ठीक करने के बहाने की अलमारी साफ आरोपी गिरफ्तार, आभूषण और रुपये बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस की एवीटी स्टाफ की टीम ने जगदीश कॉलोनी में ताला ठीक करने के बहाने अलमारी से ज्वैलरी व रुपये चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। एवीटी स्टाफ प्रभारी सतीश ने बताया कि जगदीश कॉलोनी निवासी रमेशचंद्र ने शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर आर्य नगर थाना में केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 10 अप्रैल को रमेशचन्द्र ने गली से ताले ठीक करने वाले युवक को अपने मकान के गेट का लोक ठीक करवाने के लिया बुलाया। युवक ने कहा कि अलमारी की कोई चाबी है तो वो उसे चेक करने के लिए दे। रमेशचंद्र ने अपने अलमारी की तालियों का गुच्छा उसे पकड़ा दिया। युवक ने कहा कि वह चेक कर देगा। रमेशचंद्र को युवक ने कहा कि उसने लॉक खोलकर ठीक से वापिस बंद कर दिया है और 3-4 घंटे तक ना खोलने बारे कहकर अपना थैला लेकर चला गया। कुछ समय बाद चेक किया तो रुपये, सोने व चांदी के आभूषण नहीं मिले।

आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

## घर छोड़कर गई विवाहिता, पति ने शिकायत दर्ज करवाई

महम। भैणी मातो गांव में एक युवक की शादी फरवरी माह में हुई थी। अब पति ने महम थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि उसकी पत्नी घर छोड़कर और साथ में गहने लेकर कहीं चली गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। वह ड्यूटी पर था। उसकी मां ने उसको फोन पर बताया कि उसकी पत्नी आभूषण साथ लेकर घर से कहीं चली गई है।

### अनुसूचित जाति समाज के लोगों के बीच रोहतक में हुई परिचर्चा

# संविधान सुरक्षित हाथों में, कोई इसकी तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता: डॉ. बनवारी लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की एक निजी संस्था के कार्यालय परिसर में दलित समाज के बुद्धिजीवी लोगों के साथ संविधान पर आयोजित परिचर्चा में बोलते हुए केबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर का संविधान सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए विपक्षी पार्टियां दलित समाज को गुमराह करने के लिए षड्यंत्र के तहत फर्जी खबरें फैलाने का प्रयास कर रही हैं, परन्तु दलित समाज पूरी तरह जागरूक है। डा. बनवारी लाल ने कहा कि समाज के लोगों ने विपक्ष का वह शासन देखा है जिसमें सरकारी नौकरी के लिए बोली लगती थी। डॉ बनवारी लाल ने आगे कहा कि प्रमोशन में कोई आरक्षण नहीं था, मेडिकल कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज में कोई आरक्षण नहीं था, बाबा साहेब के नाम पर कोई तीर्थ नहीं था। गुरु रविदास महाराज, महर्षि बाल्मीकि व कबीर साहब की जयंती पहले वाली सरकारें नहीं मनाती थी जबकि भाजपा सरकार ने दलित समाज के महापुरुषों को सम्मान दिया। भाजपा के नेता डॉ कुलदीप काकराण ने कहा कि सरकार ने स्वरोजगार के लिए अनेक प्रयास किए हैं। अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सचिव डॉ दिनेश शास्त्री ने पिपली में गुरु रविदास मंदिर निर्माण प्रमोशन में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने के लिए मंत्री व सरकार का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के समापन पर समाज की तरफ से डॉ बनवारी लाल को शाल तथा भारतीय संविधान की प्रति भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया।

रोहतक। केबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल का स्वागत करते हुए बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ रोहतक के संयोजक ।

### संतों के आशीर्वाद से सनातन और संविधान सुरक्षित

भिवानी चुंगी स्थित सत बाबा सांवल शाह आश्रम में पीडब्ल्यू मंत्री बनवारी लाल का स्वामी राघवेंद्र भारती के नेतृत्व में अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम मित्तल भाली ने की। इस मौके पर डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से ही सनातन व संविधान सुरक्षित है।

|| अहिंसा परमो धर्मः || || श्री महावीराय नमः || || क्षमा वीरस्य भूषणम् ||
|| जय जिनेन्द्र ||
आप सभी को देवाधिदेव 1008 भगवान
श्री महावीर स्वामी जी
के 2623 वें जन्म कल्याणक की
हार्दिक शुभकामनाएं
भगवान महावीर स्वामी ने पंच महाव्रत की शिक्षा दी। पंच महाव्रत का पालन करने वाले को किसी प्रकार का रोग और शोक नहीं होता। वह पापों से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त होता है।
• अहिंसा : किसी भी जीव को मन, वचन, काय से पीड़ा न पहुँचाना अर्थात हिंसा का पूर्णतयः त्याग करना अहिंसा है।
• सत्य : दूसरों को सन्ताप देने वाले वचनों का त्याग कर सबसे हितकारी, प्रिय वचन बोलना सत्य है
• अचौर्य : चोरी न करना, न ही चोरी के लिए दूसरों को प्रेरित करना। दूसरों के स्वामित्व की वस्तु का त्याग ही अचौर्य है।
• ब्रह्मचर्य : रागोत्पादक साधनों के होने पर भी उन सब से दूर होकर आत्म साधना में रहना ही ब्रह्मचर्य है।
• अपरिग्रह : लोभ एवं लालच का पूर्णतयः त्याग कर जीवन जीना, आवश्यकता से अधिक संग्रह का त्याग अपरिग्रह है ।
अनेकांतवाद: जैन धर्म के मूलभूत सिद्धान्तों में से एक हैं। किसी भी वस्तु या विचार को पूर्ण रूप से स्वीकार करने से पहले सभी का दृष्टिकोण समझना और उसके बाद ही निर्णय लेना अनेकांतवाद कहलाता है।
VOTE
DEMOCRACY IS WHEN YOU CAST YOUR VOTE
RAJESH JAIN
M.D., LPS Bossard
पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ
पर्यावरण को बचाना ही हमारा मूल कर्त्तव्य है, इसी से सुखद व स्वस्थ जीवन की प्राप्ति हो सकती है।
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
|| जियो और जीने दो ||
UPS LAKSHMI | LPS BOSSARD Proven Productivity | BP Jain Skill Development Centre

# गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

*तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई*

***पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मलामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।***

जैसे जैसे सोना चमकमता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

## कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

## मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

## निवेशकों को क्या करना चाहिए

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

## सोने में निवेश के तरीके

### फिजिकल गोल्ड

**सोने की सलाखें और सिक्के:** यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

**सोने की जूलरी:** आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

### पेपर गोल्ड

**सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड:** ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

**गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ):** ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

**गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन:** ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

### डिजिटल गोल्ड

**सोने में निवेश करने वाले ऐप्स:** कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

***क्रिप्टोकरेंसी:*** *कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

***डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।***

## टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

# मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव
बिजनेस डेस्क

**मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा**

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

### मल्टी कैप फंड के प्रकार

**लार्ज-कैप फोकस्ड फंड :** ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

**मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड:** ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

## इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

## इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

## किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

## एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

# ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट
बिजनेस डेस्क

पेश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

### ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस ) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

### क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

### एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

**एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये**

### एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

**एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये**

### बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

### बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

**एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये**

### डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

### कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

### लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

### क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

# पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

### पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरूरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

### ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

## ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

**तैयारी** बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

***टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम***

# बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझाकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

## बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

**ट्यूशन फीस पर भी छूट :** इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

## सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

## बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

## एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

## हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

## इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

## खबर संक्षेप

### 35 हजार की ठगी का आरोपी किया गिरफ्तार

**रोहतक।** पुलिस की टीम ने खाते में भेजने की बात कहकर क्यूआर कोड स्कैन भेजकर 35 हजार रुपये की ठगी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से 35 हजार रुपये व वारदात में प्रयुक्त फोन बरामद किए गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके तीन दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

### जतिन को मिला बेस्ट स्टेट वालिंटियर्स का खिताब

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 49वें स्थापना दिवस पर जाट कॉलेज के विद्यार्थी जतिन मलिक को राष्ट्रीय सेवा योजना के वर्ष 2021-22 के लिए स्टेट एनएसएस अवार्ड और यूनिवर्सिटी का सर्वश्रेष्ठ वालिंटियर्स का खिताब मिला है। जतिन की इस उपलब्धि से कॉलेज में खुशी की लहर है। प्राचार्या डॉ. शबनम राठी व एनएसएस से जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कॉलेज पहुंचने पर जतिन मलिक का स्वागत किया।

### ईशा मिस फेयरवेल और मिस सनशाइन रही गुंजन

**रोहतक।** महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के स्नातक विभाग द्वारा फ़ेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें जीवन में ऐसे ही हस्ते-मुस्कुराते हुए रहने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी छत्राओ ने मनमोहक अंदाज़ में अपनी-अपनी प्रस्तुतियां दी। पार्टी में मिस फ़ेयरवेल का ख़िताब ईशा ने हासिल किया।

## अज्ञात कारणों से लगी आग से हुआ लाखों का नुकसान

# लाहली में 16 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

सांपला में दो एकड़ गेहूं के फांस जलकर राख। *फोटो : हरिभूमि*

आग पर काबू पाती अग्निशमन की टीम। *फोटो : हरिभूमि*

### आग की लपटे उठती देख मौके पर दौड़े ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलानौर

कलानौर के गांव लाहली में शनिवार दोपहर को अज्ञात कारणों के चलते खेतों में आग लग गई। जिसके कारण लगभग 16 एकड़ गेहूं की फसल और फाने जलकर खाक हो गए। आग लगने की सूचना ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े और इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी। कुछ ही देर बाद फायर ब्रिगेड और ग्रामीण ट्रैक्टर हेरो की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी के घटना में महेश मलिक पुत्र भूपसिंह की दो एकड़ गेहूं की फसल, सतपाल पुत्र रामकिशन निवासी लाहली की 6 एकड़ गेहूं की फसल और फाने, गोपाल पुत्र रमेश चंद्र की 3 एकड़ गेहूं की फसल दिल्ली निवासी बिशन की ढाई एकड़ गेहूं की फसल भालीआनंदपुर निवासी दलवीर की 1 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

### पीड़ितों ने ब्यां किया दर्द

पीड़ित किसानों का कहना है कि हमारी फसल पककर तैयार हो चुकी थी, लेकिन अज्ञात कारणों से लगी आग के कारण जलकर स्वाह हो गई जिससे काफी नुकसान हुआ है। घटना स्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने प्रशासन से इन किसानों की आर्थिक मदद करने की मांग की है ताकि वे इस नुकसान से कुछ उभर सकें।

सांपला। जले हुए गेहूं के फांस। *फोटो : हरिभूमि*

### सांपला में आग से जली दो एकड़ गेहूं की फसल

**सांपला।** छोटूराम संग्रहालय के साथ लगते खेत में आग लग गई। जिसे करीब दो एकड़ गेहूं के फांस जलकर रख हो गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग को फैलने से रोका। गढ़ी सांपला गांव के किसान अपनी गेहूं की फसल को कंबाइन से निकाल लिया था और पशु चारे के लिए फांस बचे हुए थे। शनिवार की करीब सुबह 10 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई और हवा के चलते पूरे खेत के फांस चलकर रख हो गए। घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को दूसरे खेतों में फैलने से रोका।

# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

**रोहतक।** कार्यक्रम में मुख्यअतिथि एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह का स्वागत करते प्राचार्य डॉ. लोकेश बल्हारा। *फोटो : हरिभूमि*

पंडित नेकीराम शर्मा महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा यह राष्ट्रीय विज्ञान और सामाजिक विज्ञान पर सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का थीम एक सतत भविष्य के लिए नवाचार है। इसका उद्देश्य विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बीच संबंध को जांचना है, जिसमें आज हम सामना कर रहे वैश्विक चुनौतियों का समाधान है। डॉ. विनय गोयल (आईआईआईटी, न्यू दिल्ली) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में शोधार्थियों को समझाया। तकनीकी सत्र में प्रोफेसर भगवान सिंह चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेंद्र कपूर, (आयोजन सचिव, एबीआरएसएम) रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. लोकेश बल्हारा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा, डॉ. राजेश दहिया, डॉ. सुनील दुआ, डॉ. अमित सहगल, डॉ. जय भगवान, डॉ. राजीव, डॉ. प्रवेश आदि मौजूद रहे।

### लाहली में महापुरुष की प्रतिमा खंडित की

**कलानौर।** खंड कलानौर के गांव लाहली स्थित भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया। आरोपी सीसीटी कैमरे में भी कैद हुए हैं। इस घटना के प्रति ग्रामीणों में भारी रोष है और विभिन्न संगठनों ने घृणित कार्य की निंदा की है। इस घटना की सूचना गांव लाहली की सरपंच कश्मीरी कलसन ने कलानौर पुलिस को दी। इस घृणित कार्य की सूचना पाकर विभिन्न संगठनों के लोग घटना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने जिला प्रशासन से दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की तथा आगामी रणनीति के लिए रविवार को गांव लाहली में एक मीटिंग बुलाई है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम को सम्बोधित करते हुए डायरेक्टर डॉक्टर सुनीता दुहन।

### नई शिक्षा नीति पर हुई चर्चा

**रोहतक।** गोहाना रोड स्थित दुहन पब्लिक स्कूल में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। जिसमें नई शिक्षा नीति के कुछ बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस प्रोग्राम में बाल वाटिका, पहली व दूसरी कक्षा के शिक्षक, प्रिंसिपल व अभिभावक शामिल हुए। यह प्रोग्राम स्कूल की डायरेक्टर डॉक्टर सुनीता दुहन की देखरेख में संपन्न हुआ। जिन्होंने इस कार्यक्रम में कुछ बिंदुओं पर मंथन किया। नई शिक्षा नीति के अनुसार आगामी समय में अभिभावक व टीचर दोनों बच्चे के सहयोगी रहेंगे। दोनों मिलजुल कर बच्चों के विकास पर कार्य करेंगे। बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा, बिना दबाव के सिखाई जाए। बच्चों की शिक्षा अंकों की बजाय, नॉलेज देने वाली होनी चाहिए। सभी स्टाफ सदस्यों ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने ज्ञान को साझा किया।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम को सम्बोधित करते हुए डायरेक्टर डॉक्टर सुनीता दुहन।

### पंक्चुएलिटी गेम की विजेता रही कोमल

**रोहतक।** अग्रवाल महिला संगठन द्वारा शनिवार को कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल खेलकर सभी ने खूब मस्ती की। इस मौके पर मुख्यातिथि ममता जैन रही। कार्यक्रम मंजू गर्ग की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान पंक्चुएलिटी गेम की विजेता कोमल जिंदल रही। संतोष शर्मा ने बताया कि महिलाओं ने झूलों का भी लुत्फ उठाया। इसके अलावा डीजी की धुन पर नृत्य किया। इस अवसर पर शालू, सुनीता, मोनिका, सोनिया बिंदल, मधु जैन, सोनिया, अर्चना, कोमल सहित अन्य मौजूद रहे।

### नवीन जयहिंद ने करनाल में बेरोजगारों की बारात निकाली

**रोहतक।** जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने एक बार फिर हजारों बेरोजगारों के साथ बेरोजगारों की बारात निकाली। इससे पहले रोहतक और जींद में भी ऐसे कार्यक्रम कर चुके हैं। इस बार उन्होंने करनाल में बेरोजगारों के साथ ये बारात निकली और सरकार को अपना वायदा याद दिलाया। ये बारात करनाल के पुराने बस स्टैंड शुरू होकर डीसी ऑफिस पहुंची जहां नवीन जयहिंद और बेरोजगारों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम युवाओं की प्रमुख मांगों का ज्ञापन सौंपा।

# एनडीआरएफ की टीम ने विद्यार्थियों को सिखाया आपदा प्रबंधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में एनडीआरएफ़ की टीम द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत वर्कशॉप के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षा के उपायों के बारे में अवगत करवाया। कपैसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में कैडेट्स और स्वयंसेवी छात्र समूह सहित 400 विद्यार्थियों ने भूकम्प, आगज़नी, बाढ़ आदि आपातकालीन स्थितियों के प्रबंधन में काम आने वाली तकनीक सीखी। इंस्ट्रुमेंट डिस्प्ले विशेष रहा, जिसमें आपदा राहत में काम आने वाले अनेक अत्याधुनिक मशीनों की कार्यशैली का प्रदर्शन किया गया। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने आपदा के समय अपनाए गए विवेक और तकनीक कौशल पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी मानव निर्मित और प्रकृति प्रदत्त आपदा में पहला ही नाम एनडीआरएफ़ आता है। इंस्पेक्टर अंकित यादव ने विभिन्न आपदाओं में उपस्थित जन समूह का पहला कदम क्या रहे, स्वयं और आसपास के निर्भर लोगों को कैसे बचाव हो, इसकी ट्रेनिंग दी। वहीं इंस्पेक्टर जसवंत सिंह द्वारा अनेकों बचाव अभियान के अनुभव साझा किए गए। सब इंस्पेक्टर धर्मांशु यादव और एनडीआरएफ़ भटिंडा की टीम ने प्रत्येक स्थिति का प्रदर्शन किया। टीम में 20 की संख्या में महिला एवं पुरुष दल रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नवदीप बिसला ने बताया कि एनडीआरएफ़ 07 भटिंडा बटालियन द्वारा दी जाने वाली इस ट्रेनिंग का आयोजन फ़ैकल्टी फ़ीजीयोथेरेपी और विश्वविद्यालय आईक्यूएसी सेल के तत्वधान में हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र कुमार वशिष्ठ, प्रो. सुभाषचंद्र गुप्ता, एनसीसी यूनिट इंचार्ज डॉ. अनिल डुडी, एनसीसी महिला विंग इंचार्ज डॉ. सोनम बिसला, एनएसएस अधिकारी डॉ. मनजीत, डॉ. प्रीति लठवाल, यूथ रेड क्रोस इंचार्ज डॉ. संजय, डॉ. अमृत, डीन विनय जग्गा, डीन अनिल कानवा, मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डॉ. ललित कुमार आदि मौजूद रहे।

महम। कार्यशाला में भाग लेते मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थी।

### विद्यार्थियों की काउंसलिंग के लिए लगाई वर्कशॉप

**महम।** मॉडल स्कूल महम में कक्षा आठवीं, नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसका विषय हाउ टू इंप्रूव कम्युनिकेटिव स्किल एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट रहा। जिसमें काउंसलर इंदु चौधरी ने विद्यार्थियों को कम्युनिकेटिव स्किल एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के गुर सिखाए। अपने अनुभवों को सांझा करते हुए विद्यार्थियों ने इस वर्कशॉप के सकारात्मक पहलू बताते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में इस प्रकार की कार्यशाला उनके लिए स्वयं का मूल्यांकन करने के लिए अति आवश्यक है। स्कूल प्राचार्य राजेश नांदल ने कहा कि विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए तथा उनमें छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने के लिए इस प्रकार की कार्यशाला सहायक सिद्ध होती है। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष उपायुक्त अजय कुमार तथा सचिव राजेश कुमार सहगल ने विद्यालय में इस प्रकार की कार्यशाला की महत्ता को देखते हुए इनके आयोजन पर जोर दिया।

# एक-एक वोट विकसित भारत के निर्माण के लिए जरूरी : फणीन्द्रनाथ शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा।

विमुक्त घूमंतू जनजातियां संपर्क अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक शनिवार को झुग्गी झोपडी सम्पर्क विभाग प्रमुख डॉ, बलवान की अध्यक्षता में हुई। पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में हुई इस बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने डीएनटी समाज की चुनाव में भूमिका को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों का समर्थन जुटाना और उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। डॉ. बलवान ने संगठन मंत्री को विश्वास दिलाते हुए कहा कि वह और उनकी टीम घूमंतू जनजातियों और झुग्गी झोंपड़ियों में रहने वाले लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस बैठक में सभी जिलों के लोकसभा प्रमुख और सह प्रमुख मौजूद रहे। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की गरीब कल्याण की नीतियों का लाभ विमुक्त घुमन्तु जनजातियों तक भी पहुंचा है। मोदी सरकार की उपलब्धियां बताकर उन्हें पार्टी से जोड़ने का काम प्राथमिकता के तौर पर करें। शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता स्लम एरिया और कच्ची बस्तियों में जाएं और जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें।

### एसजेके कॉलेज में एलुमनी मीट, पुरानी यादों को सांझा किया

**रोहतक।** सत जीन्दा कल्याणा कॉलेज कलानौर में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 1971 से 2023 तक के एलुमनाई ने भाग लिया। इस दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय से जुड़ी अपनी यादों व अनुभवों को सांझा किया। पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि यहां से शिक्षा व संस्कार प्राप्त करके ही सभी अपने जीवन में सफल हो पाए हैं। 1971 बैच से पूर्व छात्र व मुख्य अतिथि रामुफल, गुलशन शर्मा, प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ व एलूमनी सेल की संयोजिका डॉ. दीपा जुनेजा, डॉ. रीतु लाल व उर्मिला दलाल ने अपने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया। महाविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

# 1400 दिनों से लगातार दौड़ लगा रहे हैं अरविंद दहिया

**रोहतक।** बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने शनिवार को लगातार दौड़ने के 1400 दिन पूरे किए। दहिया ने लगातार दौड़ने की शुरुआत गत 20 जून 2020 से की थी और अभी तक वह प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के दौड़ लगा रहे हैं। इन 1400 दिनों में उन्होंने कुल 14947 किलोमीटर की दौड़ लगाई। उनकी प्रतिदिन औसत दौड़ 10 किलोमीटर से ज्यादा बनती है। उन्होंने इस दौरान एक अल्ट्रामैराॅथन (50 किलोमीटर), 12 फुल मैराथन (42.2 किलोमीटर) और 184 हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) लगाई। सबसे कम 3 किलोमीटर की और अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिदिन की दौड़ लगाई। बता दें कि चाहे खराब मौसम हो या अन्य किसी भी प्रकार की रुकावट, वे नियमित तौर पर अपनी दौड़ जारी रखे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने 4356 किलोमीटर साइक्लिंग और 2455 किलोमीटर वाकिंग भी की।

### कानून व्यवस्था के लिए इयूटी मजिस्ट्रेट किए नियुक्त

**रोहतक।** जिलाधीश अजय कुमार ने गांव डोभ में खेवट नम्बर 168 की निशानदेही प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत तहसीलदार राजेश कुमार को इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। जारी किए गए आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक द्वारा इयूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिला पुलिस सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पुलिस बल के प्रभारी निरंतर इयूटी मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे। इसके साथ ही भगवान महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर 21 अप्रैल को निकाली जाने वाली रथ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत नायब तहसीलदार बंसीलाल को इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए है।

# कविता में पूजा और भाषण में तन्नू प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. आशा व अन्य प्रोफेसर। *फोटो : हरिभूमि*

राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में कानूनी साक्षरता अभियान चलाया गया। लीगल सेल के कन्वीनर डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य छात्राओं को मानवाधिकार, मूलभूत कर्त्तव्य, दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, महिलाओं और बच्चों के अधिकार, भ्रूण हत्या, वरिष्ठ व्यक्तियों के अधिकार, दहेज कुप्रथा, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि विषयों के विविध पहलुओं से अवगत करवाना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत कविता-पाठ, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कविता-पाठ में पूजा ने प्रथम व दिव्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में तन्नू ने प्रथम, स्लोगन प्रतियोगिता में दीपिका ने प्रथम और प्रश्नोत्तरी में पूजा ने पहला, सोनिया ने दूसरा तथा दिव्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. आशा ओंकार द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. मनीषा बेदी, डॉ. सुनील धनखड़, डॉ. बलराम, जोगिन्दर, डॉ. विनोद, अरुण कुमार, इंदु कुमारी आदि उपस्थित रहे।

## महात्मा हंसराज के पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया

**रोहतक।** डीएलफ कॉलोनी कमला नगर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में महात्मा हंसराज का जन्मदिवस मनाया गया। जिसका शुभारंभ हवन द्वारा किया गया। विद्यार्थियों द्वारा भाषण प्रस्तुति तथा भक्ति गान प्रस्तुत किये गये। प्रधानाचार्या रिंकू वर्मा ने वैदिक परम्परा को निभाते हुए महात्मा हंसराज के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने महात्मा हंसराज के पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

तुरंत आवश्कता है
लेबर - 50
टैक्टर ड्राईवर - 10
फोरमैन - 4
वेतन: 10 हजार से 20 हजार
(प्रति माह) रहना फ्री
M. 7206158000
8950588800
शिव शंकर सैटरिंग स्टोर

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
COMPUTER OPERATOR (F) 4
COMPUTER OPERATOR (M) 4
PHARMACY STAFF 3
CHEMIST SHOP STAFF 2
WARD BOY 2
GATE KEEPER 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel.:- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

## शहर में आज

- जनता कॉलोनी स्थित जैन स्थानक में रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से
- अनगर निगम का सफाई अभियान चलाएगा सुबह 9 बजे से
- आर्य समाज मॉडल टाउन में यज्ञ भजन और प्रवचन सुबह 7.15 बजे
- सीटू कार्यालय में अन्नदाता फिल्म दिखाई जाएगी शाम को 4 बजे से
- सीटू कार्यालय में अन्नदाता फिल्म दिखाई जाएगी शाम को 4 बजे से
- पीजीआई के कर्मचारी काले बिल्ले लगाकर काम करेंगे सुबह 9 बजे से
- रोडवेज डिपो में कर्मचारी धरना प्रदर्शन करेंगे सुबह 9.30 बजे से

## खबर संक्षेप

### चोरी की वारदात में आरोपी गिरफ्तार

**रोहतक।** पुलिस ने कबीर धर्मशाला के पास से हुई मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। पुरानी सब्जी मंडी थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि इस्माइला निवासी सावन ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

### अप्पू घर मार्किट में दो पक्षों में झगड़ा, केस दर्ज

**रोहतक।** छोटूराम चौक स्थित अप्पू घर मार्किट के पास दो पक्षों में झगड़ा हो गया। लाढ़ौत रोड निवासी धीरज ने आर्य नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अप्पू घर मार्किट में कम्प्यूटर ठीक करने का काम करता हूं। 19 अप्रैल को दुकान पर ही काम कर रहा था।

### मामराजपुरा में एक प्लॉट से लोहे के 7 गार्डर चोरी

**महम।** कस्बा महम की मामराजपुरा कॉलोनी में एक प्लॉट से लोहे के 7 गार्डर चोरी हो गए। पुलिस को दी शिकायत में मामराजपुरा निवासी 50 वर्षीय अमरजीत ने बताया कि उसने अपने प्लॉट में लोहे के 32 गार्डर रखे हुए थे। जिनमें से शाम पांच बजकर 20 मिनट पर कोई सात गार्डर चोरी कर ले गया।

### हादसे की सूचना महिला हेल्प लाइन व सिविल लाइन पुलिस को दी

# पति की प्रताड़ना से महिला ने जलघर में लगाई छलांग, कर्मचारियों ने बचाया

एक महिला की शादी करीब 6 साल पहले पटियाला में हुई थी और उसकी एक 4 साल की बेटी भी है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। महिला पुलिस कर्मी को जानकारी देते हुए।

रोहतक। गाड़ी में बैठती हुई महिला।

सोनीपत रोड स्थित जलघर में अचानक एक महिला ने अपने पति की प्रताड़ना से तंग आकर छलांग लगा दी। जिसकी एक चार साल की बेटी भी है। इसका पता लगा तो वहां मौजूद कर्मचारियों ने महिला को जलघर से निकाल लिया। जिसके चलते महिला बाल-बाल बच गई। हादसे की सूचना महिला हेल्प लाइन व सिविल लाइन पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी।

बता दें कि एक महिला की शादी करीब 6 साल पहले पटियाला में हुई थी और उसकी एक 4 साल की बेटी भी है। आरोप लगाया कि उसका पति नशा करता है और प्रताड़ित करता रहता है। पति की प्रताड़ना से तंग होकर जब वह अपने मायके में गई तो उसके मायके वालों ने भी उसका साथ नहीं दिया। मायके से उसके भाई ने झगड़ा करके निकाल दिया। इसके बाद वह पुलिस के पास मदद के लिए गई, लेकिन पुलिस ने भी उसकी कोई मदद नहीं की। जिसके कारण महिला ने यह कदम उठाने का फैसला लिया। जिसके बाद सोनीपत रोड स्थित जलघर के पास पहुंची और उसने छलांग लगा दी। इस दौरान मां को डूबते देख बेटी जोर-जोर से चिल्लाने लगी, जिसे सुन वहां मौजूद पब्लिक हेल्थ के कर्मचारी अशोक ने अन्य साथियों ने मिलकर महिला की जान बचाई।

#### छह साल पहले हुई थी शादी

महिला की बहन ने बताया कि उसकी बहन की शादी पंजाब में छह साल पहले हुई थी। उसकी चार साल की बेटी है। बहन का आरोप है कि उसकी बहन को उसका पति प्रताड़ित करता है। इतना ही नहीं, मायके से भी झगड़ा करके निकाल दिया गया। वह बहन को घर लेकर आ गई। उसका पति उसके पास आया और सिटी पार्क में बुलाकर अभद्रता करने लगा। उसकी बहन को थप्पड़ तक मारा। परेशान होकर उसकी बहन तालाब में कूदी है।

#### जांच में जुटी पुलिस

सिविल लाइन थाना की एएसआई रेणू ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि जलघर में कोई महिला कूद गई है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां महिला को जलघर से बाहर निकाला जा चुका था। अब महिला से पूछताछ की जाएगी। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

#### अचानक जलघर में कुछ गिरने की आई आवाज

जनस्वास्थ्य विभाग के बेलदार अशोक ने बताया कि वह ड्यूटी पर था। अचानक जलघर में कुछ गिरने व बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। उसने पहले सोचा कि कोई तैयार रहा है। नजदीक जाकर देखा तो महिला डूबती दिखाई दी। तत्काल छलांग लगाकर उसे बाहर निकाला। मामले की सूचना पाकर सिविल लाइन थाने से एएसआई रेणू मौके पर पहुंची और महिला व उसकी बच्ची को साथ ले गई। एएसआई ने कहा कि अभी महिला डरी व सहमी हुई है। पूछताछ कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

#### महिला सैनीपुरा की रहने वाली

महिला को सकुशल पुरानी सब्जी मंडी थाने में भेजा गया, जहां उसकी ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित करने की शिकायत ली गई। क्योंकि वह सैनीपुरा की रहने वाली है, जो पुरानी सब्जी मंडी थाना क्षेत्र में आता है।
-इंस्पेक्टर उदयभान, प्रभारी थाना सिविल लाइन।

रोहतक। शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

## शतरंज में हर्षित, दीपक, अंबर लक्षित व पारस ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एमडीएन विद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय के एडमिन डायरेक्टर कृष्ण कुमार और हार्दिक खुराना ने किया। एडमिन डायरेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि शतरंज बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए अच्छा खेल है, जिस गति से इस खेल के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ती जा रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। इस प्रतियोगिता में पहली कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बड़ी बुद्धिमत्ता और सजगता से खेलते हुए हर्षित, दीपक, अंबर, लक्षित और पारस ने अपने प्रतिद्वंदियों को मात देकर विजेता का खिताब हासिल किया। एडमिन डायरेक्टर ने सभी विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर विद्यालय के कोऑर्डिनेटर राहुल सहगल सहित अन्य मौजूद रहे।

### जिला में 84164.61 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

**रोहतक।** उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला में गत शुक्रवार तक 84164.61 मीट्रिक टन गेहूं व 22959.49 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें तथा अपनी फसलों को सुखाकर व अच्छी तरह साफ करके मंडियों में लाए। शुक्रवार को जिला में 9684.88 मीट्रिक टन गेहूं तथा 1490.15 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई। अजय कुमार ने बताया कि गत शुक्रवार तक जिला की मंडियों व खरीद केंद्रों में 84164.61 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई। इसमें से कलानौर साइलो में अब तक 4080.04 मीट्रिक टन, किलोई में 3228.20 मीट्रिक टन, लाखनमाजरा में 3516.97 मीट्रिक टन, मदीना में 2581.30 मीट्रिक टन, महम मंडी में 8261 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में 40524.30 मीट्रिक टन, सांघी में 5483 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में 16489.80 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इसी प्रकार गत शुक्रवार तक जिला में 22959.49 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। इसमें से कलानौर मंडी में 7234.13 मीट्रिक टन, महम मंडी में 9277.28 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में 2199.90 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में 4248.18 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है।

## इंडस स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

- कक्षा आठवीं, नवमीं व दसवीं के विद्यार्थियों ने मोहिंद्रा फास्टनर्स लिमिटेड का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल के कक्षा तीसरी से सातवीं तक के विद्यार्थियों ने अमूल साबर डेरी का भ्रमण किया। वहां विद्यार्थियों ने अमूल के सभी खाद्य व पेय पदार्थों के बनाने की कार्यशैली को समझा। वहां कर्मचारियों की कार्यात्मक, व्यावहारिक योग्यता और नेतृत्व द्वारा प्रशिक्षित करना सीखा। बच्चों ने अमूल आईसक्रीम खाई। वहीं कक्षा आठवीं, नवमीं व दसवीं के विद्यार्थियों ने मोहिंद्रा फास्टनर्स लिमिटेड का दौरा किया। (एमएफएल) ऑटोमोटिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए सटीक मशीनीकृत घटकों के साथ-साथ ठंडे और गर्म फोज्ड फास्टनरों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। विद्यार्थियों ने प्रारंभ से अंत तक की सारी प्रैक्टिकल प्रक्रिया को समझा। विद्यार्थियों ने रूचि के साथ बड़ी-बड़ी मशीनों के संचालन से तैयार फास्टनर्स की उपयोगिता को भी जाना। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने कहा कि बच्चों में एक जिज्ञासु मस्तिष्क होता है जो उन्हें अधिक कल्पनाशील बनाता है और वातावरण में दृश्य अनुभव का चयन करके अधिक ज्ञानार्जन करता है। विद्यालय निदेशिका डॉ. एकता सिंधु ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह व्यक्तिगत अनुभव के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है तथा अधिगम को सुखद बनाता है।

## भगवान महावीर के जन्मोत्सव पर भजन और सांस्तृतिक संध्या, बच्चों की प्रस्तुतियों से मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जैन सभा के तत्वाधान में देवाधिदेव 1008 भगवान श्री महावीर स्वामी जी का 2623 वां जन्म कल्याणक महोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री वर्धमान कीर्तन मण्डल द्वारा भजन संध्या एवं स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम की प्रस्तुति की गई। समारोह में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि समाज सेवी उद्योगपति सुरेन्द्र जैन, वशिष्ठ अतिथि समाज सेवी उद्योगपति अशोक जैन, समारोह अध्यक्ष समाज सेवी उद्योगपति दीपक जैन, समाज सेवी उद्योगपति नवीन जैन, समाज सेवी उद्योगपति विनोद जैन, महामंत्री मनोज जैन डब्बू, रविन्द्र जैन नवल ने भगवान श्री महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। जैन स्कूल के छात्र व छात्राओं द्वारा उपस्थित सभी के लिए स्वागत गीत गाया। बच्चों द्वारा भगवान श्री महावीर स्वामी के जीवन पर आधरित लघु नाटिका की प्रस्तुति कर सभी श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। स्कूल के बच्चों के द्वारा सुन्दर भजनों की प्रस्तुति कर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच का संचालन सतीश जैन बैंक वाले ने किया। इस अवसर पर 11 लक्की ड्रा निकाले गए। सभी विजेताओं को चांदी के सिक्के देकर सम्मानित किया गया। पूरा महावीर पार्क का प्रांगण व आसपास का एरिया रंग बिरंगी लाईटों से जगमग कर रहा था। पूरे शहर में एक अदभुत नजारा देखने को मिल रहा था।

### किसानों पर बनी फिल्म अन्नदाता का प्रदर्शन आज

**रोहतक।** पिछले 40-50 सालों में अमरीका में खेती में बड़ी कम्पनियों की आमद से छोटे अमरीकी किसान का क्या हाल हुआ है, इस पर रोशनी डालती फिल्म अन्नदाता का प्रदर्शन 21 अप्रैल को सायं 4 बजे सीटू कार्यालय हनुमान कॉलोनी में किया जाएगा। सप्तरंग किसान संगठनों, विशेष तौर पर किसान सभा के साथ मिल कर यह आयोजन किया जाएगा। सप्तरंग सचिव अविनाश एवं किसान सभा के सचिव सुमित दलाल ने संयुक्त ब्यान में कहा कि मूल अंग्रेजी में फिल्म का नाम है देज़ा वु। तीन कृषि कानूनों के सन्दर्भ में 72 मिनट की यह फिल्म दिखाती है कि अमरीकी खेती में कम्पनियों के बढ़ते दखल ने छोटे अमरीकी किसान का क्या हाल किया है। इस फिल्म के निर्देशक बेदब्रत पेन हैं जो उच्च कोटी के वैज्ञानिक भी हैं। हिन्दी में नसीरुद्दीन शाह ने सूत्रधार को आवाज दी है। उन्होंने कहा कि अमरीका के भूतकाल से सीखने के लिए और भारत के भविष्य को बचाने के लिए इस फिल्म का प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

## भाजपा की विजय संकल्प रैली 28 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। मीटिंग को संबोधित करते हुए पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर।

भाजपा की विजय संकल्प रैली 28 अप्रैल को जसिया में होगी। जानकारी देते हुए रोहतक लोकसभा के विधानसभा मीडिया प्रमुख मनोज मक्कड़ ने बताया कि सनसिटी में मंगलम कमल कार्यालय में गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा के कार्यकर्ताओं की विजय संकल्प रैली के लिए मीटिंग हुई। रैली जसिया गांव में देवी लाल पार्क के सामने वाले ग्राउंड में होगी। मीटिंग में रैली की योजना और सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा हुई। मीटिंग को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि हरियाणा की जनता मन बना चुकी है कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि जो कांग्रेस अभी तक 10 वर्षों में अपना संगठन नहीं बना पाई वो वाया दिल्ली होकर चंडीगढ़ जाना चाहते हैं। झूठ बोल कर जनता को गुमराह करके अनाप शनाप बयान दे कर दोनों बापू बेटा अपनी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। जनता भली भाली इनको जानती है। दीपेंद्र हुड्डा को आड़े हाथों लेते हुए ग्रोवर ने कहा कि हरियाणा की जनता सीधा सीधा 152 डी से संत कबीर कुटीर जाना चाहती है ना कि दिल्ली होकर जाना चाहती है। रैली को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल संबोधित करेंगे। मीटिंग में रोहतक लोकसभा के प्रभारी राजीव जैन, भाजपा हरियाणा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, भाजपा हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, भाजपा रोहतक के जिलाध्यक्ष रणवीर ढाका, पूर्व विधायिका सरिता नारायण आदि मौजूद रहे।

### एमडीयू में मनाया सिविल सर्विस डे

**रोहतक।** महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग, दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट एवं दीन दयाल उपाध्याय चेयर के सहयोग से सिविल सर्विस डे मनाया गया। मुख्य अतिथि शीतल (सिटी मजिस्ट्रेट, झज्जर) ने विद्यार्थियों को सिविल सर्विस में करियर अवसर, चयन प्रक्रिया और सिविल सेवक के जीवन के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने अपने सिविल सेवाओं में अपनी सेवा अनुभवों को सांझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सिविल सेवाओं की महत्ता बताते हुए इसमें आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सक्रिय नागरिकता पर भी जोर दिया, जिसमें उन्होंने मूल्य, समय पाबंदी, अनुशासन, साइबर क्राइम, ई- प्रशासन आदि विषयों को शामिल किया।

### दो लाख रुपये की ठगी के मामले में आरोपी काबू

**रोहतक।** पुलिस ने घर बैठे रुपये कमाने का झांसा देकर 2 लाख रुपये की ठगी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से 2 लाख रुपये बरामद किए गए है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-1 निवासी अंजिल ने शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच में सामने आया कि 19 जून 2023 को अंजलि से युवराज नामक युवक ने कहा कि ट्रेडिंग इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में रुपये इंवेस्ट करने के बाद करीब एक माह बाद 3 लाख 35 हजार रुपये वापिस मिल जाएंगे। अंजलि ने युवराज की बातों में आकर पैसे ट्रांसफर कर दिए। एक महीने बाद अंजलि ने फोन किया तो युवक ने पैसे देने से मना कर दिया।

## पीजीआई में ओपीडी का समय बदलने के लिए सोमवार को फिर सौपंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीजीआईएमएस की ओपीडी का समय बदलने की मांग को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। इस संघर्ष में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के बाद अब पैरामेडिकल व अन्य कोर्सों के छात्र-छात्राएं भी जुड़ चुके हैं। उन्होंने शनिवार को पत्र लिखकर मांग की है कि ओपीडी का समय दोबारा 8 से 2 किया जाए ताकि वह गर्मी में बार-बार आने जाने से बचाव हो सके। वहीं ज्वाइंट एक्शन कमेटी सोमवार को दोबारा डायरेक्टर और वीसी को ज्ञापन सौंपेगी।

गौरतलब है कि 13 अप्रैल को स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता से ज्वाइंट एक्शन कमिटी का प्रतिनिधि दल मिला था। उन्होंने इस मुद्दे पर कारवाई का आश्वाशन दिया था, परन्तु अभी तक किसी तरह की कोई बदलाव नजर नहीं आया। इसी संघर्ष के तहत ज्वाइंट एक्शन कमेटी, रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन एवम पीजीआई में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं सोमवार को डायरेक्ट और वीसी से मिलकर ज्ञापन सौंपेगी और आगे की रणनीति तय करेंगे। गौरतलब है की पिछले कुछ दिनों से तब से कर्मचारी और चिकित्सक काले बिल्ले के माध्यम से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल ओपीडी का समय 9 से 4 बजे तक किया गया है। इस बीच एक घंटे का लंच भी है। चिकित्सक एसोसिएशन, नर्सिंग एसोसिएशन और गैर शिक्षक कर्मचारी संघ समय बदलने के विरोध में है। सभी के प्रतिनिधियों का कहना है कि सरकार से वे ओपीडी के समय में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

### एमडीयू शाम-ए-कव्वाली का आयोजन

# सर चढ़कर बोला सूफियाना संगीत का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। मदवि के टैगोर सभागार में अपनी प्रस्तुति देते नामी कव्वाल हसनैन निजामी।

सूफियाना संगीत का जादू बीती शाम महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में शाम-ए-कव्वाली में खूब छाया। नामी कव्वाल हसनैन निजामी तथा उनके साथी कलाकारों ने खूबसूरत कव्वाली प्रस्तुतियों से विश्वविद्यालय के फाउंडेशन डे कार्यक्रम को सुरीले सुरों से सजाया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. गुलशन लाल तनेजा, उनकी पत्नी अरूणा तनेजा सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों, प्राध्यापकों, गैर शिक्षक कर्मियों तथा विद्यार्थियों ने शाम-ए-कव्वाली का लुत्फ उठाया।प्रतिष्ठित कव्वाल हसनैन निजामी ने परवरदिगार की इबादत से कव्वाली कार्यक्रम का आगाज किया। अमीर खुसरो की रचना-छाप तिलक सब छीनी तीसे नैना मिलाए के की प्रस्तुति से उपस्थित जन को कव्वाली के जरिए दिव्यता की अनुभूति करवाई। भर दे झोली मेरी मेरे मौला, पिया हाजी अली, कुन फाया कुन सहित अनेक कव्वालियों की प्रस्तुति निजामी बंधु कव्वाली पार्टी ने दी। शाम ए कव्वाली का समापन निजामी बंधु द्वारा प्रस्तुत लोकप्रिय कव्वाली दमादम मस्त कलंदर से हुआ। कार्यक्रम समन्वयन-संचालन निदेशक युवा कल्याण डॉ. जगबीर राठी ने किया। आयोजन सहयोग सहायक निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी ने किया।

निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी ने कव्वाली गायन सहित सूफी संगीत के इतिहास पर प्रकाश डाला। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने कव्वाल बंधुओं की प्रस्तुति को सराहा। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेन्द्र रोहिल्ला रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 अप्रैल 2024


विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

## हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है
# हमारी पृथ्वी

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

### गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

### नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

### बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

### ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

## ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

## लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

{ मोटिवेशन / अतुल मलिकराम }

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

**उदाहरण से लीड करना :** उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

**दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना:** सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

**संयम बनाए रखना:** जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

**विनम्रता से काम लेना:** अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

**अनुकूलनशीलता और नवीनता:** बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

**प्रभावी संवाद:** धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

**सुनने की क्षमता :** धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

**दूसरों को प्रेरित करना:** धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

**रोल मॉडल बनें:** धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

{ कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत }

## बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

{ कहानी / यशोधरा भटनागर }

## एलबम

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

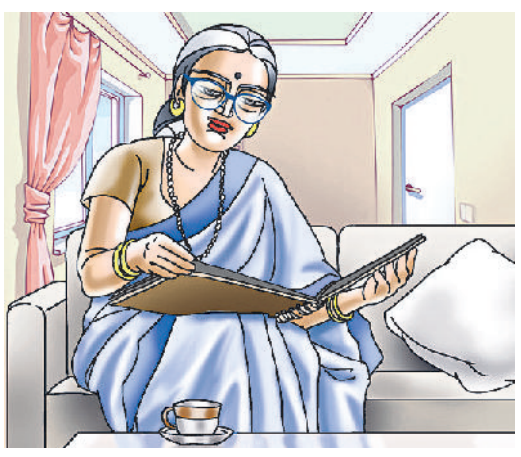

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## कविताओं में मुगल स्त्रियां

**पवन करण** की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

**पुस्तकः** स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
**प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

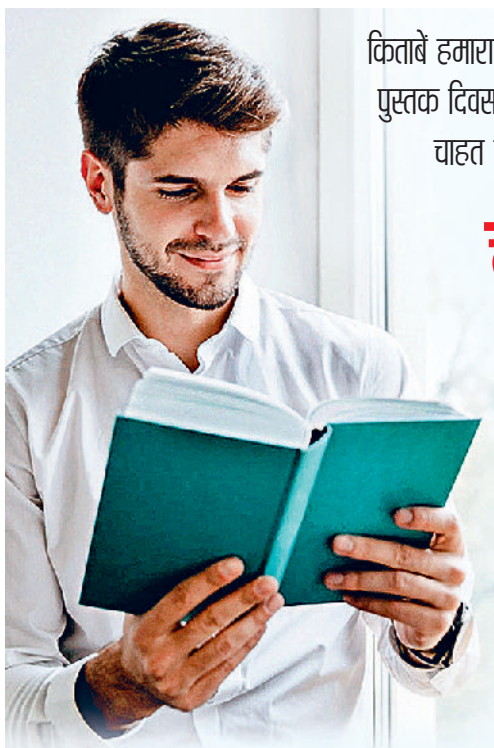

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

# चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

## इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

## किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

## विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

## फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

## ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

**पश्चिमी देशों** में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

# सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

## वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

## नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

## स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

## आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

## कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

## डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

# बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

**संभव है डर से छुटकाराः** जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

**ऐसे मिलेगी भय से मुक्तिः** किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

**अधिकांश होता है भविष्य का डर :** डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

**डर की कल्पना से बचें:** मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

# मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

**आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?**

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

**अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?**

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

**आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?**

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

**ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?**

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

**आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?**

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

## भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

**यूएसए** की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।